बिलट मलथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 15|09|2020

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (दोसर भाग)

प्रश्न :- आधुनिक मैथिलीक लघुकथाक विकासमे प्रो॰ हरिमोहन झाक योगदानक विवेचन करु।

उत्तर :- हुनक फूटकर कवितामे हास्य व्यंग्य बेसी मुखर अछि। हास्यक अपेक्षा व्यंग्यक प्रचार अधिक अछि। एहि प्रकारक कविता अछि - टी पार्टी, ढाला झा, पहुनाई, ढाला झा शीर्षक कवितामे तथाकथित भलमानुष पर नीक जकाँ व्यंग्य करल गेल अछि -

बाप हमर नरहा आर नाना हमर ककुरही पाँजि।
ससुरक अछि कोन कमी, जाइत छी दोसर ठाम॥

वर्तमान युगक महंगीक जीवन्त चित्र ओ एहि रूपें प्रस्तुत करने छथि -

मकइ मखानक कान कटै अछि अलडुआ खाथि कुबेर।
मडुआ मिसरिक भाव बिकाइछ जीरक भाव जनेर।
सभ सँ कुड़िकक अन्न खेसारी सेहो रूपये सेर।

हिनकर रचनाक सम्बन्धमे कुमार गंगानन्द सिंह लिखने छथि जे आकंठ भोजन करलो पर हिनक साहित्य पढ़लासँ अनायास सभ पचि जाएत। भक्तिनाथ सिंह ठाकुर लिखैत छथि जे हरिमोहन बाबूक व्यंग्य गोनू झाक हास्य जकाँ लोकप्रिय आ गम्भीर सँ गम्भीर तर्क तथा व्यंग्य मर्म पर

P.T.O→

चोट करैत अछि। मैथिली कथामे वातावरण निर्माण एवं चारित्र - चित्रण पर विशेष जोर देल जाइत छल, मुदा ई ताहि प्रवृत्तिसँ भिन्न नव हास्य रसक पद्धतिक सूत्रपात कयलनि। हास्यक संग समाज सुधार एवं सफल जीवनक लेल उपयुक्त उपदेश दिस ओ ध्यान आकृष्ट करने छथि। हुनक रेलक अनुभव, मर्यादाक भंग, बाबाक संस्कार, रोहगा, कन्याक जीवन, ग्रेजुएट पुतोहु, गुलाबी गप्प आदि कथा बड़ रोचक एवं आकर्षक अछि। चर्चरी एवं खट्टर ककाक तरंग मे मिथिलाक रूढ़िवादिता पर प्रहार करल गेल अछि। हिनक हास्य प्रधान स्केच सेहो नीक अछि।

कथा जकाँ उपन्यास मे सेहो हिनका विशेष यश प्राप्त भेल छन्हि। ओ कन्यादान शीर्षक उपन्यासक रचना 1933 ई० मे कयलनि। मैथिली साहित्यक लोकप्रिय बनयबामे एहि पोथीकेँ बड़ महत्वपूर्ण स्थान अछि। एहिसँ मैथिली भाषा भाषी लोकनिक जतेक मनोरंजन भेल ततेक मैथिलीक कोनो आन रचनासँ नहि। एहि उपन्यासक विषय वस्तु ततेक विस्फोटक अछि जे एकरा पढ़बा लेल आन भाषा-भाषी मैथिली भाषा सिखैत अछि।

कन्यादानक उपन्यासक रचनाक 10 वर्षक बाद 'द्विरागमन' उपन्यासक रचना भेल। एहि उपन्यासक कथानक कमजोर अछि मुदा भाषा, वर्णन शैली उत्कृष्ट अछि। कन्यादान मे जे समस्या उठाओल गेल छल तकर समाधान द्विरागमनमे भेल अछि।

'खट्टर ककाक तरंग' मे उच्चकोटिक व्यंग्य अछि ई हिनक सर्वोत्कृष्ट रचना कहल जाइछ। खट्टर कका एहन पात्र छथि जे भांगक निशा मे ककरो नहि छोड़ैत छथि। खट्टर कका मोनकेँ गुदगुदबितो अछि आ हृदय के छनछनबितो। ....

=

15/09/2020